तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व अहलकार हुक्म की ... में ...
29/6/17	इजलाही पेशी देने पर पत्रावली आज पेश हुई। ~~अधिवक्तागण द्वारा [illegible] न्यायालय का~~ ~~बहिष्कार होने के कारण~~ अग्रिम कार्यवाही हेतु दिनांक 25.8.17 को पेश हो। (हस्ताक्षर)	
25/8/17	इजलाही पेशी देने पर पत्रावली आज पेश हुई। ~~अधिवक्तागण द्वारा [illegible] न्यायालय का~~ ~~बहिष्कार होने के कारण~~ अग्रिम कार्यवाही हेतु दिनांक 6-10.17 को पेश हो। (हस्ताक्षर)	
6/10/17	पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप. अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी दौरे पर / अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 26.12.17 को पेश हो (हस्ताक्षर)	
26/12/17	पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप. अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~ / ~~अन्य कार्य में व्यस्त~~। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 13.3.18 को पेश हो (हस्ताक्षर)	
24/04/18	इजलाही पेशी देने पर पत्रावली आज पेश हुई। अधिवक्तागण द्वारा [illegible] न्यायालय का बहिष्कार होने के कारण अग्रिम कार्यवाही हेतु दिनांक 28/6/18 को पेश हो। (हस्ताक्षर)	
13/09/18	~~इजलाही पेशी देने पर~~ पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप. ~~अनुपस्थित~~ / पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~ / अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 30/11/18 को पेश हो (हस्ताक्षर)	
01/02/19	~~इजलाही पेशी देने पर~~ पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप. ~~अनुपस्थित~~ / पीठासीन अधिकारी दौरे पर / ~~अन्य कार्य में व्यस्त~~। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 9/5/19 को पेश हो (हस्ताक्षर)	

Scanned by CamScanner

क्रम	हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
09/05/19	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासी. । अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आइन्दा दिनांक 22/08/19 को पेश हो	
22/08/19	पत्रावली पेश हुइ। वकलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासी. । अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली ... आदेशानुसार आईन्दा दिनांक-14/11/19 को पेश हो	
14/11/19	वकील प्रार्थी उप०। अप्रार्थीगण की तलबी हेतु पूर्व में वकील प्रार्थी को हिदायत दी गई थी। आज दिनांक तक पेश नही। वास्ते पेश होने तलबी अप्रार्थीगण हेतु अन्तिम अवसर दिया जाकर मिसल दिनांक 28/11/19 को पेश हो।	
28/11/19	पत्रावली पेश हुई। प्रकरण में बार-बार आवाज लगवाई गई। बावजूद आवाज लगवाने वकुलाय उभयपक्ष अथवा पक्षकारान में से कोई भी हाजिर अदालत नही आया है। अतः प्रकरण अदम हाजिरी एवं अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।	

Scanned by CamScanner